क्षेत्र संकार्य प्रभाग
राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण संगठन
की भूमिका एवं कार्य

परिचय :

योजना तथा नीति निर्माण में उपयोग हेतु राष्ट्रीव्यापी प्रतिदर्श सर्वेक्षणों के द्वारा अर्थ व्यवस्था के विविध अंगों पर आंकड़ों के संग्रह हेतु एक स्थायी सर्वेक्षण संगठन रखने के उद्वेश्य से स्वर्गीय प्रो0 पी.सी. महालनोबिस की अध्यक्षता वाली राष्ट्रीय आय समिति की अनुशंसाओं के अनुसरण में भारत सरकार द्वारा 1950 में राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण (रा0प्र0सर्वे0) की स्थापना की गयी । तब से रा0प्र0स0 में अनेके ढांचागत परिवर्तन हुए हैं उनमें से 1970 में एक महत्पपूर्ण है जब रा0प्र0स0 निदेशालय को मार्च 1970 के सरकारी संकल्प के अनुसार राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण संगठन (रा0प्र0सर्वे0सं0) में पुनर्गठित कर दिया गया । चार विभिन्न क्रियाकलापों को करने के लिये चार प्रभागों का गठन किया गया । ये हैं : (त्) सर्वेक्षण अभिकल्प एवं अनुसंधान प्रभाग (त्त्) क्षेत्र संकार्य प्रभाग, (त्त्त्) समंक विधायन प्रभाग तथा (त्ध्) आर्थिक विश्लेष्ण प्रभाग । एक गैर सरकारी व्यक्ति चेयर मैन के रुप में रखते हुए रा0प्र0सर्वे0सं0 की क्रियाकलापों को सासित करने के लिये एक स्वायत्तशासी परिषद की स्थापना भी की गयी । चेयरमैन के अतिरिक्त इसमें केन्द्रीय सरकार के मंत्रालयों तथा राज्य आर्थिक एवं सांख्यिकी निदेशालय से सरकारी सदस्य सांख्यिकी एवं अर्थशास्त्र के क्षेत्र में शिक्षण क्षेत्र से भी सदस्य शामिल किये जाते है । वर्तमान में परिषद में कूल 17 सदस्य है जिनमें भारतीय सांख्यिकी संगठन से 2 सांख्यिकीकार, 3 अर्थशास्त्री, केन्द्रीय /राज्य मंत्रालयों से 2 प्रतिनिधि, राज्य सांख्यिकी व्यूरो से 3 निदेशक तथा सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय से 7 वरिष्ठ सरकारी अधिकारी शामिल होते है । शासी परिषद के प्रथम चेयरमैन 1970 -1980 के दौरान स्वर्गीय प्रो0 वी एम दाण्डेकर थे उसके बाद 1980-90 के दौरान प्रो0 बी0एस0 मिन्हास तथा 1990फरवरी 2001 के दौरान स्वर्गीय प्रो0 प्रवीण विसारिया थे । श्री एस.सी.चौधरी रा0प्र0सर्वे0सं0 के प्रथम मुख्य कार्यकारी अधिकारी तथा सांख्यिकी विभाग में अपर सचिव थे । वर्तमान में रा0प्र0सर्वे0सं0 के प्रमुख रू0 22400-26000 के वेतनमान में डा0 एस.रे, महानिदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी हैं । महानिदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी शासी परिषद के सदस्य सचिव के रुप में भी कार्य करते हैं ।

राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण (रा0प्र0स0) सामान्यतः एक वर्ष की अवधि (जुलाई-जून) के लगातार दौरों के रुप में संचालित किये जाना वाला एक निरन्तर सर्वेक्षण कार्यक्रम है । प्रत्येक दौर में सामान्यतः प्रत्येक तीन माह की अवधि के चार उप दौर होते है । एक वैज्ञानिक ठंग से लिये गये प्रतिदर्श अभिकल्प के अनुसार लगभग 120 से 150 हजार परिवारों में कार्य करते हुए सामान्यतः एक दौर में लगभग 10000 प्रतिदर्श ग्राम तथा 500 नगरीय खण्ड शामिल किये जाते है । राज्य सरकारे भी प्रतिदर्श ग्रामों तथा नगरीय खण्डों के एक स्वतंत्र समुच्चय में उन्हीं जांच अनुसूचियों पर कार्य कर रा0प्र0स0 कार्यक्रम में भाग लेती है । सर्वेक्षणों के लिये विषय विस्तारण एक दसवर्षीय कार्यक्रम के आधार पर शासी परिषद द्वारा तय किया जाता है । श्रम शक्ति तथा परिवार उपभोक्ता व्यय जैसे कुछ विषय 5 वर्षो में एक बार दोहराये जाते हैं जबकि अन्य विषय दस वर्षो में एक बार इस प्रकार शामिल किये जाते है कि दस वर्षीय चक्र में

से 7 वर्ष निश्चित विषयों को आबंटित किया जाता है तथा 3 वर्ष विशेष अभिरुचि के विषयों को आबंटित किये जाते है । इसमें शामिल विषय रोजगार तथा बेराजगारी, उपभोक्ता व्यय, लोगों की आवासीय हालत, भूमिजोत, पशुधन, उद्यम, ऋण तथा निवेश, समाजिक उपभोग ,जनसांख्यिकी, रोगग्रस्तता, अपंगतता आदि होते हैं । वर्तमान में 1 जनवरी 2003 से परिवार उपभोक्ता व्यय तथा रोजगार एवं वेरोजगारी के अतिरिक्त भूमि तथा पशुधन जोत, ऋण तथा निवेश तथा भारतीय किसानों के लिये स्थिति आंकलन प्रगति में है तथा दिसम्बर 2003 तक जारी रहेगा ।

क्षेत्र संकार्य प्रभाग (क्षे0सं0प्र0) रा0प्र0सर्वे0 न केवल दौर के रुप में परिवार वृहदस्तर प्रतिदर्श सर्वेक्षण संचालित करने के लिये वल्कि औद्योगिक सांख्यिकी, कृषि सांख्यिकी , मूल्य आदि के क्षेत्र में अन्य सर्वेक्षणों को भी करने के लिये उत्तरदायी है । रा0प्र0स0सं0 (क्षे0सं0प्र0) द्वारा संचालित विविध विषयों की सूची नीचे दी जा रही है ।

(i) दौर के रुप में परिवार समाजार्थिक सर्वेक्षणों जिसमें रोजगार बेरोजगारी उपभोक्ता व्यय सामाजिक उपभोग लोगों की आवासीय हालत, भूमिजोत, पशुधन जोत, ऋण तथा निवेश आदि जैसे विषय शामिल किये जाते है ।

(ii) सांख्यिकी संग्रहण अधिनियम 1953 तथा सांख्यिकी संग्रहण (केन्द्रीय) नियमावली 1959 के अन्तर्गत वार्षिक उद्योग सर्वेक्षण जिसमें पंजीकृत विनिर्माण क्षेत्रक शामिल किये जाते है ।

(iii) राज्य फसल सांख्यिकी प्रणाली में कमियों का पता लगाने तथा उस पर सुधार के लिये सुझाव देने के लिये फसल सांख्यिकी सुधार (फ0सा0सु0)

(iv) नगरीय क्षेत्रों में परिवार सर्वेक्षण करने के लिये नगरीय ढांचा सर्वेक्षण ब्लाक नामक पूर्ण क्षेत्रीय इकाइयों का एक ढांचा तैयार करने के उद्देश्य से नगरीय ढांचा सर्वेक्षण (न0ढां0स0)

(v) समुचित उपभोक्ता मूल्य सूचकांक संख्या बनाने हेतु जनसंख्या के विनिर्दिष्ट सेजमेन्टों द्वारा ग्रामीण तथा नगरीय क्षेत्रों में लोकप्रिय उपभोग की वस्तुओं का मूल्य संग्रहण ।

(vi) असंगठित क्षेत्र जैसे विनिर्माण व्यापार परिवहन, होटल तथा रेस्टोरेंट, मेडिकल शैक्षणिक तथा वैयक्तिक सेवाएं आदि में आर्थिक क्रियाकलापों को शामिल करने के लिये आर्थिक गणना के अनुवर्ती सर्वेक्षण ।

इसके अतिरिक्त नये विषयों पर सर्वेक्षण कार्य हाथ में लेने के लिये समुचित कार्यविधि विकसित करने हेतु समय समय पर महत्वपूर्ण विषयों पर कार्यविधि अध्ययन तथा अग्रगामी सर्वेक्षण भी किये जाते है । क्षे0सं0प्र0 विशिष्ट उपभोक्ता मूल्य सूचकांकों के लिये मध्यम वर्गीय तथा श्रमिक वर्गीय परिवार रहन सहन सर्वेक्षणों जैसे तदर्थ सर्वेक्षणों को भी हाथ में लेता है ।

2. **संगठनात्मक स्वरुप** :

नई दिल्ली तथा फरीदाबाद स्थित मुख्यालयों के साथ क्षेत्र संकार्य प्रभाग पूरे देश में फैले 6 आंचलिक कार्यालय 47 क्षेत्रीय कार्यालय तथा 118 उपक्षेत्रीय कार्यालयों के नेटवर्क की सहायता से कार्य करता है तथा इसके पास 4361 कर्मचारी है । प्रभाग का नेतृत्व एक अपर

सचिव स्तरीय अधिकारी -अपर महानिदेशक द्वारा किया जाता है, जिसकी मुख्यालय तथा आंचलिक कार्यालयों में एक उप महानिदेशक 12 निदेशक,संयुक्त निदेशक/ उप निदेशक/ सहायक निदेशक जिसमें क्षेत्रीय कार्यालयों के अध्यक्ष शामिल है,तकनीकी मामलों तथा मुख्यालय में स्थित मुख्य प्रशासन अधिकारी प्रशासनिक मामलों में सहायता करते है । वर्तमान में ज्यादातर राज्य राजधानी तथा कुछ अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में स्थित उपक्षेत्रीय कार्यालयों के अध्यक्ष संयुक्त निदेशक स्तर क अधिकारी होते हैं । संगठनात्मक चार्ट संलग्नक रु पर दिया गया है । यह विदित हो कि अनेक क्षेत्रीय कार्यालय का हाल में उन्नयन कर दिया गया है ।

सर्वेक्षण का संचालन, आंकड़ों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एक सुसंगठित नियंत्रण उपाय प्रणाली के साथ एक 3 स्तरीय क्षेत्र में पेशागत रुप से सुयोग्य तथा प्रशिक्षित कर्मचारियों द्वारा किया जाता है ।

3. क्षेत्र संकार्य प्रभाग के सर्वेक्ष्णों तथा क्रियाकलापों की महत्वपूर्ण विशेषताएं :

(क) <u>प्रतिदर्श सर्वेक्षण</u> :

(i) <u>समाजार्थिक सर्वेक्षण</u> :

एक दसवर्षीय कार्यक्रम के आधार पर किसी विनिर्दिष्ट विषय को समर्पित पूरे देश में परिवार समाजार्थिक सर्वेक्षण का संचालन सामान्यतः 12 माह की अवधि (जुलाई-जून) के दौरों के रुप में किया जाता है । जैसा कि पहले उल्लिखित है ऐसे विषय जो आवधिक रुप से शामिल किये जाते है, उपभोक्ता व्यय रोजगार-बेरोजगारी, भूमिजोत तथा पशुधन, ऋण तथा निवेश, समाजिक व्यय, स्वास्थ्य, रोगग्रस्तता तथा जन्म-मरण सांख्यिकी विनिर्माण असंगठित क्षेत्र में व्यापार तथा सेवाएं तथा परिवार रहन सहन सर्वेक्षणों से संबंधित होते है । समाजार्थिक सर्वेक्षण के कुछ हाल के दौर में शामिल विषयों को संलग्नक रुरु में दर्शाया गया है । समाजार्थिक सर्वेक्षण लद्दाख तथा कारगिल जम्मू एवं कश्मीर के जिलों तथा नागालैण्ड एवं अण्डमान निकोबार द्वीप के भीतरी गांवों को छोड़कर लगभग सम्पूर्ण देश को केन्द्रीय प्रतिदर्श में शामिल करते हैं । सर्वेक्षणों का संचालन सुयोग्य तथा प्रशिक्षित क्षेत्र अन्वेषकों द्वारा पूछताछ विधि द्वारा किया जाता है । राज्य/संघ राज्य भी कम से कम मिलान आधार पर सर्वेक्षण में भाग लेते है ।

आंकडा संग्रहण की विधियों को आधुनिक बनाने तथा इलेक्ट्रानिक एवं सूचना प्रौद्यागिकी के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकी विकास के प्रयोग के उद्देश्य से, ताकि क्षेत्र स्तर पर ही त्रुटिविहिन तथा तेजी से आंकडा संग्रह हो सके, हरियाणा राज्य में प्रयोगात्मक आधार पर पॉमटाप कम्प्यूटरों का भी प्रयोग किया ताकि 52वें दौर के केन्द्रीय एवं राज्य प्रतिदर्शो में क्षेत्र में प्राथमिक कर्मियों द्वारा आंकड़ों का संग्रह सीधे कम्प्यूटरों पर किया जा सके । 54वें दौर में, हरियाणा के अतिरिक्त इस योजना को उडीसा तथा महाराष्ट्र में भी लागू किया गया । फीडबैक से पता चला कि पॉमटाप प्रणाली के हार्डवेयर तथा सॉफ्टवेयर दोनों विशेषताओं में गम्भीर बाधाएं थी इसलिये इसे जारी नहीं रखा गया । अब यह प्रस्ताव विचाराधीन है कि विस्तृत अग्रगामीकरण के उपरान्त अग्रगामी आधार पर पॉमटाप कम्प्यूटर के स्थान पर लैपटॉप कम्प्यूटर का प्रयोग किया जाए । इस विषय की जांच एक उच्च स्तरीय तकनीकी समिति द्वारा की जा रही है ।

(ii) नगरीय ढांचा सर्वेक्षण :

नगरीय ढांचा सर्वेक्षण का संबंध ऐसे आपस में गैर मिलनसार तथा पहचान योग्य नगरीय खण्डों को तैयार करने तथा अद्यतीकरण से जिनकी प्रत्येक ख्ण्ड में 600-800 के एक जनसंख्या भाग के साथ सपरिभाषित सीमाएं है । ऐसे खण्डों का ग्रामीण क्षेत्र में ग्रामों के एक समान के रुप में निर्माण करना क्षेत्र संकार्य प्रभाग की एक अनुपम क्रिया-कलाप है । ये नगरीय खण्ड विभिन्न समाजार्थिक सर्वेक्षणों के लिये नगरीय क्षेत्रों में प्रथमस्तर प्रतिचयन इकाइयों के रुप में कार्य करते हैं तथा प्रत्येक पांच वर्ष में एक बार इनका अद्यतीकरण किया जाता है । पांच वर्षीय अवधि को सर्वेक्षण के फेज के रुप में जाना जाता है जिनसे प्रथम बार 1959-63 में हाथ में लिया गया तथा 1972 से नियमित आधार पर जारी रखा गया है ।

(iii) मध्यवर्गीय परिवार निवास केन्द्र :

क्षेत्र संकार्य प्रभाग, केन्द्रीय सांख्यिकी संगठन द्वारा 1984-85 को आधार वर्ष के साथ नगरीय गैर मैनुअल कर्मचारियों के लिये उपभोक्ता मूल्य सूचकांक बनाने में प्रयोग हेतु 59 पूर्व निर्धारित केन्द्रों में चयनित जिन्सों के मूल्य, ऑफटेक तथा गृह किराया जांचों पर आंकड़ों के संग्रह से भी जुड़ा हुआ है । इन केन्द्रों में जिन्सों का विस्तार जो कि केन्द्र विनिर्दिष्ट है, 135 से 255 तक होता है ।

(iv) ग्रामीण मूल्य संग्रहण सर्वेक्षण

क्षेत्र संकार्य प्रभाग 603 ग्रामों से श्रम ब्यूरों द्वारा कृषि श्रमिकों के लिये (आधार वर्ष 1986-87) उपभोक्ता मूल्य संचकांक (सीपीआई) बनाने के लिये निर्धारित वस्तुओं सामान्यतःकृषि श्रमिकों द्वारा उपभोग की जाने वाली वस्तुओं के मूल्य आंकड़े एकत्र करता है । इसमें शामिल की जाने वाली मदों / वस्तुओं की संख्या लगभग 260 है ।

(v) वार्षिक उद्योग सर्वेक्षण

वार्षिक उद्योग सर्वेक्षण सांख्यिकी अधिनियम 1953 और इसके अन्तर्गत वर्ष 1959 में बनाए गये नियमों के प्रावधानों के अन्तर्गत एक सांविधिक सर्वेक्षण है । वार्षिक उद्योग सर्वेक्षण के संचालन के लिये अधिनियम के अन्तर्गत अपर महानिदेशक (क्षेत्र संकार्य प्रभाग) सांख्यिकी प्राधिकारी के रुप में कार्य करता है । वार्षिक उद्योग सर्वेक्षण अभिलेख आधारित पूछताछ है ।

वित्त वर्ष के रुप में सर्वेक्षण अवधि के इस सर्वेक्षण में निम्नलिखित शामिल होता है :-

(क) भारतीय कारखाना अधिनकयम 1948 की धारा 2 एम (त्) और 2 एम (त्त्) के अंतर्गत पंजीकृत कारखाने अर्थात 10 या अधिक श्रमिकों की नियुक्ति वाले और बिजली का उपयोग करने वाले और 20 या अधिक श्रमिकों की नियुक्ति और बिजली का उपयोग नहीं करने वाले कारखाने,

और

(ख) बीड़ी और सीगार कर्मी अधिनियम 1966 (रोजगार की शर्तें) के अंतर्गत पंजीकृत बीड़ी और सीगार प्रतिष्ठान

वर्तमान में वार्षिक उद्योग सर्वेक्षण में (एएसआई) दो भागों में आंकड़े एकत्र किये जाते है भाग ऱ्‍ केन्द्रीय सांख्यिकी संगठन और अन्य एजेन्सियों के उपयोगार्थ अचल पूंजी,कार्य की पूंजी रोजगार परिलब्धियां ईधन की खपत,स्नेहक तथा कच्ची सामग्री अन्य आगत / निर्गत उत्पाद और उप उत्पाद ,मूल्य वर्धित,से संबंधित है जबकि भाग- ऱ्ऱ्‍ श्रम ब्यूरों के उपयोगार्थ कार्य

किये गये श्रम दिवसों, श्रम आवर्त, अनुपस्थिति, श्रम लागत आदि से संबंधित है । इसके अतिरिक्त सी एस ओ,एन.ए.डी. और आर्थिक सर्वेक्षण के उपयोगार्थ परिणाम शीर्ष जारी करने के उद्देश्य से पहली बार वार्षिक उद्योग सर्वेक्षण 1999-2001 से 10 मुख्य पैरामीटर वाली एक संक्षिप्त अनुसूची आरम्भ की गई है , वार्षिक उद्योग सर्वेक्षण 2000-01 से 100 या अधिक श्रमिक वाली सभी इकाईयां गणना क्षेत्र में शामिल है जबकि शेष इकाईयां प्रतिदर्श क्षेत्र में शामिल है ।

इस सर्वेक्षण में अरुणाचल प्रदेश,मिजोरम सिक्कम और लक्षद्वीप राज्यों/ संघ शासित प्रदेशों को छोड़कर पूरा देश शामिल है क्योंकि सांख्यिकी संग्रहण अधिनियम अभी इन राज्यों में लागू किया जाना है ।

कृषि सांख्यिकी सर्वेक्षण - फसल सांख्यिकी स्कीम में सुधार

क्षेत्र संकार्य प्रभाग को फसल सांख्यिकी सुधार योजना (आई सी एस) के माध्यम से क्षेत्र परिगणना के प्राथमिक क्षेत्र कार्य और फसल कटाई प्रयोग के पर्यवेक्षण करके और राज्य के क्षेत्र कर्मचारियों के प्रशिक्षण दिलाकर फसल क्षेत्र और उत्पादों के समयवद्ध और विश्वसनीय प्राक्कंलन प्राप्त करने के लिये उचित सर्वेक्षण तकनीकी के विकास में राज्यों को सहायता करने की सभी जिम्मेदारी सौपी गई है । 1973-74 में केन्द्रीय और राज्य एजेन्सियों के संयुक्त प्रयास से आरम्भ की गई योजना का उद्देश्य फसल सांख्यिकी पद्धति में कमियों को ढूंडना और कृषि सांख्यिकी की उत्पत्ति के राज्य प्रणाली में स्थाई सुधार के लिये उपाय सुझाना है । योजना के अन्तर्गत क्षेत्र परिणना और राज्य सरकार के कर्मचारियों द्वारा किये गये फसल कटाई से संबंधित क्षेत्र कार्य की प्रतिदर्श जांच की जाती है । क्षेत्र सम्मूच्य की प्रतिदर्श जांच ग्राम खसरा रजिस्टर में भी की जाती है । योजना में 19 भूमी रिकार्ड राज्य / केन्द्र शासित प्रदेश और 3 गैर भूमि रिकार्ड राज्य शामिल है ।

राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण संगठन (क्षेत्र संकार्य प्रभाग) और राज्य सरकार के प्रयवेक्षी कर्मचारियों के कार्य में शामिल है (त) राज्य प्राथमिक कर्मचारियों (पटवारी) द्वारा किये गये 2 गैर परस्पर ब्यापी और प्रत्येक 5000 गांवों के (कुल 1000 गांव) स्वतंत्र प्रतिदर्शो में क्षेत्र परिणना कार्य की प्रतिदर्श जांच प्रत्येक मौसम में इनदो एजेसियों द्वारा स्वतंत्र रुप से किया जाता है (त्त) राज्य प्राथमिक कर्मचारियों द्वारा कृषि वर्ष में समान आकार के दो गैर ब्यापी प्रतिदर्शो में किये गये लगभग 3000 फसल कटाई प्रयोगों की जांच / क्षेत्र परिणना के उसी प्रतिदर्श में राज्य प्राथमिक कर्मचारियों (पटवारी) द्वारा किये गये द्वोत्र समुच्चय कार्य की प्रतिदर्श जांच /योजना के निशकर्षो को राज्य सरकार द्वारा स्थापित उच्च स्तरीय समन्वय समिति द्वारा विचार विमर्श के लिये राज्यवार और अखिल भारतीय स्टेटस रिपोर्ट के रुप में प्रकाशित किया जाता है । आंकड़ा संग्रहण के लिये प्रतिदर्श डिजाइन समेकित कर विशलेषण संबंधित कार्य और राज्यवार और अखिल भारतीय रिपोर्ट का प्रकाशन रा0प्र0सर्वे0सं0(क्षे0सं0प्र0) के कृषि सांख्यिकी विंग द्वारा किया जाता है वे तत्परता से राज्य प्राथमिक कर्मचारियों को प्रशिक्षण भी दे रहे है । राज्य कृषि सांख्यिकी प्राधिकारी की सूचना पर आधारित ' मुख्य फसलों पर फसल प्राक्कंलन सर्वेक्षण के परिणामों का समेकितकरण' पर रिपोर्ट भी कृषि सांख्यिकी विंग फरीदाबाद द्वारा प्रतिवर्ष तैयार की जाती है ।

(vi) उद्यम सर्वेक्षण

अर्थव्यवस्था के गैर संगठित भाग के संबंध में आंकड़ा रिक्तियां को भरने की दृष्टि से जैसे निमार्ण,व्यापार ,परिवहन,होटल और रेस्त्रा, चिकित्सा और स्वास्थ्य सेवाएं ,शिक्षा और व्यक्तिगत सेवाएं आदि, आर्थिक गणना के अनुंवर्ती सर्वेक्षणों की श्रृखला क्षेत्र संकार्य प्रभाग द्वारा गैर कृषि उद्यमों के आंकड़ों की बड़ी मात्रा में भिन्नता एकत्र करने के लिये की जाती है । ये उद्यम सर्वेक्षण कहलाते है जिनमें स्वः लेखा उद्यम जिसमें भाडे के श्रमिक नियुक्त नहीं होते है और ऐसे प्रतिष्ठान जिनमें कम से कम एक भाडे का श्रमिक होता है शामिल होते है ।

(ख) **अन्य क्रियाकलाप**

(i) सूचना प्रौद्योगिकी

क्रियाकलापों के विभिन्न क्षेत्रों में सुधार लाने के लिये सूचना प्रौद्योगिकी के महत्व और उपयोगिताको दृष्टि में रखते हुये इस प्रभाग के सभी क्षेत्रीय कार्यालयों को आवश्यक हार्डवेयर और साफ्टवेयर से सुसज्जित किया गया । शुरु से यूनिक्स और यूनीफ्लैक्स साफ्टवेयर ही दिये गये थे । सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र प्रगति की देखते हुये प्रभाग सभी क्षेत्रीय कार्यालयों को अद्यतन हार्डवेयर और आसानी से प्रयोग किये जा सकने वाले साफ्टवेयर उपलब्ध कराने की प्रक्रिया में है प्रभाग के अन्दर तिव्र संचार व्यवस्था के लिये सभी क्षेत्रीय कार्यालयों को ई-मेल सुविधा और इंटरनेट उपलब्ध कराया गया है ।

(ii) प्रशिक्षण

क्षेत्र संकार्य प्रभाग में प्रशिक्षण पर बल दिया जाता है । इसलिये सेवाकालिन प्रशिक्षण देने के लिये और पुनश्चर्या पाठ्यक्रम चलाने के लिये क्षेत्र संकार्य प्रभाग में 6 आंचलिक प्रशिक्षण केन्द्र,बेंगलूर (दक्षिण अंचल), नागपुर (प0अचंल), लखनऊ (मध्य अंचल), जयपुर (उ0अंचल), कोलकाता (पूर्वी अंचल) और गुवाहाटी (उत्तर पूर्वी अचंल) में स्थापित किये गये है । इन प्रशिक्षण केन्द्रों पर विशिष्ट और एक समान मापदण्डों के अनुसार क्षेत्र कर्मचारियों की तीन श्रेणियों अधीक्षकों,सहायक अधीक्षकों और अन्वेषकों के लिये विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किये जाते है ।

केन्द्रीय सांख्यिकी संगठन द्वारा आयोजित प्रायः सरकारी सांख्यिकी से संबंधितों विशिष्ट कार्यक्रम ,एन.एस.एस. के आंकडों का उपयोग और कम्प्यूटर संचालन कार्यक्रम भी इन प्रशिक्षण केन्द्रों पर आयोजित किये जाते है । इनके अतिरिक्त कृषि सांख्यिकी में विशिष्ट प्रशिक्षण देने के लिये कृषि सांख्यिकी विंग,फरीदाबाद में एक प्रशिक्षण इकाई स्थापित की गई है । आचंलिक प्रशिक्षण केन्द्रों और कृषि सांख्यिकी विंग,फरीदाबाद में सुविधाओं का उन्नयन और सशक्तिकरण किया जा रहा है । बेंगलूर,गुवाहाटी और नागपुर में छात्रावास सुविधा कर दी गई है । शेष आंचलिक केन्दों में छात्रावास सुविधा प्रशिक्षणार्थियों को देने के लिये प्रयास किये जा रहे है ।

आंकड़ों का प्रसारण

परिवार सर्वेक्षण संबंधी एन.एस.एस.आंकड़े रा0प्र0सर्वे0सं0 के त्रैमासिक पत्रिका ' सर्वेक्षण' रिपोर्ट और तकनीकी पेपर के माध्यम से प्रसारित किये जाते है । सरकार द्वारा अनुमोदित प्रसारण नीति के अनुसार आंकड़ों के प्रसारण की प्रक्रिया को अब ओर उदार बना

दिया गया है । यहां तक कि अपरिष्कृत आंकड़े निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार मामूली कीमत पर उपयोग कर्ता को उपलब्ध कराये जाएगें । परिवार सर्वेक्षणों के संबंध में आंकड़ा प्रसारण की जिम्मेदारी रा0प्र0सर्वे0सं0 के समन्वय और प्रकाशन विभाग की है और केन्द्रीय सांख्यिकी संगठन (औद्यो0सर्वे0 प्रभाग) वार्षिक उद्योग सर्वेक्षण की (एस.आई.) रिपोर्ट जारी करता है ।

4. हाल ही में किये गये प्रयास

(क) **एफ ओ डी टुडे**

एफ ओ डी मासिक समाचार पत्र एफ ओ डी टुडे नाम से क्षेत्र कर्मचारियों के लाभ के लिये संचार माध्यम के रुप में जनवरी 2000 में शुरु किया गया था । क्षेत्र कर्मचारियों को संगठन में अद्यतन घटनाओं से अवगत कराने के लिये एफ ओ डी टुडे में रा0प्र0सर्वे0सं0 (क्षे0सं0प्र0) की महत्वपूर्ण घटनाओं के साथ साथ और विभिन्न मामलों पर अद्यतन सोच और प्रयास की जानकारी शामिल होती है ।

सामान्यतः प्रत्येक सस्करण में गणमान्य व्यक्ति का संदेश होता है जिससे क्षेत्रीय कर्मचारियों को प्रेरणा मिलती है ।

(ख) **आंकड़ों की गुणवत्ता में सुधार** :

क्षेत्र संकार्य प्रभाग में स्वर्ण जयन्ती वर्ष 2000 में आंकड़ो की उत्पादकता में सुधर पर विशेष बल दिया गया था और इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुये वर्ष 2000 को उत्पादकता वर्ष घोषित किया गया था । निम्नलिखित पर विशेष ध्यान दिया गया था ।

i) आंकड़ों की गुणवत्ता में सुधार
ii) बेहतर नियंत्रण उपाय
iii) परिवार सर्वेक्षण के लिये टीम भवना का आरम्भ
iv) सूचना प्रौद्योगिकी के प्रयोग पर बल
v) कर्मचारियों का प्रशिक्षण

प्राप्त अनुभाग से आंकड़ों की गुणवत्ता में सुधार के विशेष उपायों को जारी रखने की आवश्यकता महसूस की गई जिसके साथ साथ क्षेत्र तथा कार्यालय निरीक्षण के लिये पर्यवेक्षी तंत्र की मजबूत करने और रा0प्र0सर्वे0सं0 अन्य प्रभागों को क्षेत्र कर्मचारियों के के निरीक्षण कार्य में शामिल करने पर बल दिया गया है ।

(ग) **प्रोत्साहन और पुरस्कारों की पद्धति**

उत्पादकता में सुधार की प्रेरणा के उपाय रुप में अधिकारियों और कर्मचारियों दोनों स्तरों पर क्षे0सं0प्र0 ने वर्ष 2000 से कार्यालयों /कर्मचारियों के प्रोत्साहनों और पुरस्कारों की योजना लागू की है योजना के अनुसरण में संबंधित श्रेणी के क्षेत्र कार्यालयों और वैयक्तिक कार्यालयों में कार्यनिष्पादन के विस्तृत सूचकों को ध्यान में रखकर 100 पाइट पर उद्देश्य आधारित कर्मचारियों और कार्यालयों के कार्य निष्पादन का मूल्यांकन किया जाता है ।

इस मूल्यांकन में उनके अंकों के अनुसार क्षेत्रीय कार्यालय स्तर, अंचल और राष्ट्रीय स्तर पर क्षेत्र में कार्यरत प्रत्येक श्रेणी के उत्कृष्ठ कार्य करने वाले कर्मचारी को चुना जाता है । अंचल स्तर पर उत्कृष्ठ क्षेत्रीय कार्यालय और उपक्षेत्रीय कार्यालय को चुनने के लिये यही मानदण्ड अपनाया जाता है । व्यक्तिगत आधार पर और कार्यालय स्तर पर उत्कृष्ठ कार्य करने वालो को उत्पदकता के प्रमाण पत्र दिये जाते है । उत्कृष्ठ कार्य करने वालों की विभिन्न स्तरों पर संख्या दोनों श्रेणियों में निम्न प्रकार होगी :-

स्तर श्रेणी		पुरस्कारों की संख्या		
क) व्यक्तिगत				
1.	क्षेत्रीय कार्यालय स्तर	अधीक्षक	:	1
		सहायक अधीक्षक	:	3
		अन्वेषक	:	3
2.	अंचल स्तर	अधीक्षक	:	3
		सहायक अधीक्षक	:	3
		अन्वेषक	:	3
3.	मुख्यालय नई दिल्ली/फरीदाबाद	मुख्यालय नई दिल्ली और फरीदाबाद से प्रत्येक श्रेणी में से 1 । इनको अलग-अलग इकाई माना गया है ।		
4.	अखिल भारतीय स्तर	अधीक्षक	:	3
		सहायक अधीक्षक	:	3
		अन्वेषक	:	3

ख) कार्यालय

1. उप क्षेत्रीय कार्यालय

(त्)	क्षेत्रीय स्तर	:	1
	अंचल स्तर	:	3
	अखिल भारतीय स्तर	:	3

2. क्षेत्रीय कार्यालय

त्)	अंचल स्तर	:	1
त्त्)	अखिलभारतीय	:	2

3. अंचल कार्यालय

अखिल भारतीय स्तर	:	1

5. **अन्य उपाय** : क्षेत्र संकार्य प्रभाग को अतिआधुनिक और बहुत सक्रिय सर्वेक्षण संगठन बनाने के लिये कुछ नये उपयोग पर कार्य किया जा रहा है । इनके लिये इसमें संगठनात्मक परिवर्तन प्रयोग के बाद आंकड़ा संग्रहण की कम्प्यूटरकृत प्रणाली आरम्भ की जा रही है ।

आंकड़ों को इलेक्ट्रानिक माध्यम से प्रसारित किया जाना, नये क्षेत्रीय कार्यालयों का पुर्नगठत,और खोला जाना,उप क्षेत्रीय और क्षेत्रीय कार्यालयों को मजबूत बनाना इसमें शामिल है । भारत में सांख्यिकी के जिर्णोधार के लिये रा0प्र0सर्वे0सं0 (क्षे0सं0प्र0) का सरकार द्वारा जनवरी 2000 में डा0 सी रंगराजन की अध्यक्षता में गठित राष्ट्रीय सांख्यिकी आयोग की सिफारिश के अनुसार पुर्नगठन किया जाना है ।

आयोग ने अपनी रिपोर्ट और सिफारिशें प्रस्तुत कर दी है । इनसे भारतीय सांख्यिकी प्रणाली के सम्पूर्ण सुधार के लिये एक खाका (रोड़मेप) मिला है । इन सिफारिशों को विभिन्न स्तरों पर लागू किया जाना है ।

अनुलग्नक - II

विभिन्न राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण दौरों में शामिल विषय

दौर सं0	सर्वेक्षण की अवधि	पूछताछ के विषय
1.	अक्तूबर.50- मार्च .51 1833ऊ --उ1833 (ग्रा0) (न0)	मजदूरी,भूमि उपयोग परिवार उद्यम, परिवार परिसम्पत्तियां और देयता और पूणें, अनुसूचियों के लिये कार्यरत खाता,उपभोक्ता व्यय,मूल्य
2.	अप्रैल .51-जून 51 1160---उ 1160 (ग्रा0) (न0)	ग्रामीण सांख्यिकी,कृषि उपभोक्ता व्यय
3.	अगस्त 51- नवम्बर 51 920ऊ490उ1410 (ग्रा0) (न0)	ग्रामीण सांख्यिकी,कृषि और पशुपालन,लघु विनिमार्ण कार्य,उपभोक्ता व्यय,मूल्य
4.	अप्रैल 52- सितम्बर 52 960ऊ406उ1366 (ग्रा0) (न0)	ग्रामीण सांख्यिकी,भूमि उपयोग,कृषिऔर पशुपालन ,लघु विनिमार्ण और हस्तकला,परिहन व्यापार,व्यवसाय सेवा और वित्तीय कार्य उपभोक्ता व्यय,मूल्य
5.	दिसम्बर 52-मार्च 53 920ऊ406उ1366 (ग्रा0) (न0)	भूमि उपयोग,कृषि और पशुपालन गैर परिवार विनिमार्ण प्रतिष्ठान, लघु विनिमार्ण और हस्तकला, परिवहन,व्यापार- व्यवसाय सेवा और वित्तीय कार्य, उपभोक्ता व्यय,मूल्य
6.	मई 53-मार्च 53 960ऊ444उ1404 (ग्रा0) (न0)	ग्रामीण सांख्यिकी,भूमि उपयोग,कृषि और पशुपालन गैर परिवार विनिमार्ण प्रतिष्ठान, लघु विनिमार्ण और हस्तकला, परिवहन व्यापार, व्यवसाय सेवा और वित्तीय कार्य उपभोक्ता व्यय मूल्य,समाचार पत्र पढ़ने के बारे में समाचार पत्र पाठको की राय ।
7.	नवम्बर 53-मार्च 54 960ऊ444उ1404 (ग्रा0) (न0)	ग्रामीण सांख्यिकी,भूमि उपयोग, कृषि और पशुपालन, गैर परिवार विनिमार्ण प्रतिष्ठानों, लघु विनिमार्ण और हस्तकला,परिवहन, व्यापार व्यवसाय सेवा और वित्तीय कार्य उपभोक्ता व्यय,मूल्य ग्रामों में चावल के उत्पादन पर राय
8.	जुलाई 54- मार्च 55 1424ऊ468उ1892 (ग्रा0) (न0)	आवासीय स्थिति,भूमि जोत,कृषि जोतो की स्वप्रबंधन की प्रवृत्ति, भूमि उपयोग,लघु विनिमार्ण और हस्तकला,परिवहन,व्यापार, व्यवसाय सेवा और वित्तीय कार्य, आवासीय ऋणग्रस्तता,उपभोक्ता व्यय, मूल्य,खेती मूल्य
9.	मई 55-सितम्बर 55 1624ऊ2108उ3732 (ग्रा0) (न0)	ग्रामीण सांख्यिकी,रोजगारी और बेरोजगारी,भूमि उपयोग,लघु विनिमार्ण और हस्तकला परिवहन, व्यापार,उपभोक्ता व्यय,आय और व्यय,मूल्य

दौर सं0	सर्वेक्षण की अवधि	पूछताछ के विषय
10.	दिसम्बर 55-मई 56 सा0आ0 1624अ1328उ2952 (ग्रा0) (न0) एलयूएस 4884	ग्रामीण आंकडे अनिवासन स्थिति,रोजगार और बेरोजगारी,भूमि उपयोग और उपज सर्वेक्षण, लघु उत्पादन और हथकरघा,यातायात,वाणिज्य वृत्ति सेवा और वित्तीय प्रचालन, आय और व्यय, मूल्य
11.	अगस्त 56-जनवरी 57 सा0आ0 1848अ584उ2432 एलयूएस 6336	ग्रामीण आंकडे आवासनस्थिति रोजगार और बेरोजगारी तथा कृषि पर आधारित परिवारों का ऋणभार,परिवार का रोजगार और बेराजगारी कृषि पर आधारित मजदूर परिवारों के अतिरिक्त भूमि उपयोग और उपज सर्वेक्षण कृषि और पशुपालन, आय व्यय,मूल्य बाहरी इलाकों में वजन और मापक
12.	मार्च 57-अगस्त 57 सा.आ. 1848अ584उ2432 (ग्रा0) (न0) एल.यू.एस. 6288	ग्रामीण आंकड़े, महत्वपूर्ण आंकडे आवसन स्थिति, रोजगार और बेरोजगारी तथा कृषि पर आधारित परिवारों का ऋणभार,परिवारों का रोजगार और बेराजगारी, कृषि पर आधारित मजदूर परिवारों के अतिरिक्त,भूमि उपयोग और उपज सर्वेक्षण, दूध का उत्पादन तथा गाय के गोबर का उत्पादन और उपयोग,परिवार का आय और व्यय, मूल्य,शहरी इलाकों के वजन और मापक
13.	सित0 57- मई 58 सा.आ. 2072अ1224उ3296 (ग्रा0) (न0) एल यू एस 3390	ग्रामीण आंकडें महत्पपूर्ण आंकड़े, आवासन स्थिति, रोजगार और बेराजगारी तथा भूमि उपयोग और उपज सर्वेक्षण, आय और व्यय,मूल्य और पाठक की प्राथमिकता
14.	जुलाई 58- जून 59 2616अ2228उ4844 (ग्रा0) (न0)	ग्रामीण आंकड़े,जनसंख्या,जन्म और मृत्यु, रोजगार, भूमि उपयोग और उपज सर्वेक्षण,लघु उत्पादन और हथगरघा, आय और व्यय,मूल्य
15.	जुलाई 59-जून 60 2616अ2228उ4844 (ग्रा0) (न0)	जनसंख्या, जन्म और मृत्यु, रोजगार, भूमि उपयोग और उपज सर्वेक्षण,लघु उत्पादन और हथकरघा, आय और व्यय, मूल्य
16.	जुलाई 60-अगस्त 61 3798अ2272उ6070 (ग्रा0) (न0)	जनसंख्या,जन्म और मृत्यु, परिवार नियोजन, आवासन स्थिति, रोजगार और बेरोजगारी, शहरी मजदूर संख्या,शारीरिक रुप से विकलांग व्यक्तियों की संख्या,भूमि का स्वामित्व और प्रचालित जोत (केवल ग्रामीण क्षेत्रों में), भूमि उपयोग उपज सर्वेक्षण परिवारों की ऋणग्रहस्ता,उपभोक्ता व्यय,मूल्य
17	सितम्बर 61-अगस्त 62 3888अ2237उ6125 (ग्रा0) (न0)	जनसंख्या, जन्म और मृत्यु,परिवार नियोजन,रुग्णता,रोजगार, शहरी मजदूर संख्या,भूमि का स्वामित्व और प्रचालित जोत,भूमि उपयोग, उपज सर्वेक्षण,पूंजी निर्माण,उपभोक्ता व्यय, मूल्य

दौर सं0	सर्वेक्षण की अवधि	पूछताछ के विषय
18.	फरवरी 63-जनवरी 64 8472अ4572उ13044 (आर) (यू)	ग्रामीण आंकड़े,जनसंख्या,जन्म और मृत्यु,प्रवास,आवासन स्थिति, शहरी मजदूर संख्या, भूमि उपयोग, उपज सर्वेक्षण, वृत्ति और उदार कलाएं, निमार्ण,मणिपुर और त्रिपुरा में अनुसुचित जनजातियों की ऋणग्रस्तता, ग्रामीण मजदूर परिवारों का आय,उपभोक्ता व्यय,मूल्य
19.	जुलाई 64-जून 65 8472अ4572उ13044 (आर) (यू)	ग्रामीण आंकड़े जनसंख्या, जन्म और मृत्यु,आवासन स्थिति, शहरी मजदूर संख्या, रोजगार बेराजगारी और ग्रामीण मजदूर परिवारों की ऋणग्रस्तता,भूमि उपयोग,उपज सर्वेक्षण, समेकित परिवार, विस्तृत और संक्षिप्त मूल्य अनुसूची
20.	जुलाई 65-जून 66 8520अ4596उ13116 (आर) (यू)	ग्रामीण एवं ब्लाक आंकड़े, जनसंख्या जन्म और मृत्यु, आवासन स्थिति, शहरी मजदूर संख्या, ग्रामीण मजदूर परिवारों का रोजगार और बेराजगारी तथा ऋणग्रस्तता,भूमि उपयोग,उपज सर्वेक्षण समेकित परिवारों के व्यापार और भूमि उपयोग पर जोर की अनुसूची, मूल्य
21.	फरवरी 66-जून 67 8520अ4596उ13116 (आर) (यू)	ग्रामीण और ब्लाक आंकड़ें, जनसंख्या, जन्म और मृत्यु, आवासन स्थिति, शहरी मजदूर संख्या, समेकित परिवार,भूमि उपयोग पर जोर देने वाली विस्तृत और संक्षिप्त अनुसूची, मूल्य, दलहन फसल के उत्पादन पर राय
22.	जुलाई 67- जून 68 8544अ4688उ13232 (आर) (यू)	ग्रामीण और ब्लाक आंकड़े जनसंख्या जन्म और मृत्यु, आवासन स्थिति,पक्का मकानों की संख्या,शहरी मजदूर संख्या,भूमि उपयोग,समेकित परिवार सर्वेक्षण,मूल्य, कृषि प्रकाएं दलहन फसल के उत्पादन पर राय
23.	जुलाई 68- जून 69 8400अ4632उ13032 (आर) (यू)	जनसंख्या,जन्म और मृत्यु,आवासन स्थिति,पक्का मकानों की संख्या, भूमि उपयोग,उपज सर्वेक्षण ,लघु उत्पादन (परिवार और गैर परिवार) समेकित परिवार अनुसूची मूल्य,दलहन फसलों के उत्पादन पर राय
24.	जुलाई 69- जून 70 8400अ4632उ13032 (आर) (यू)	पक्का मकानों की संख्या,शारीरिक रुप से विकलांग व्यक्तियों की संख्या भूमि उपयोग,उपज सर्वेक्षण,अपंजीकृत वितरणीय व्यापार समेकित परिवार, अनुसूचियां,मूल्य,दलहन फसल उत्पादन पर राय
25.	जुलाई 70- जून 71 8400अ4640उ13040 (आर) (यू)	भूमि उपयोगिता पर आंकड़ों का परीक्षण,शहरी क्षेत्रों में गैर शारीरिक परिश्रम करने वाले कर्मचारियों की ऋणग्रस्तता,ग्रामीण जनसंख्या के कमजोर वर्ग की वित्तीय स्थिति, समेकित परिवार अनुसूची (संशोधित) मूल्य
26.	जुलाई 71- सितम्बर 72 4200अ4640उ8840 (आर) (यू)	ग्रामीण आंकड़े पक्का मकानों की संख्या भूमिजोत भूमि उपयोगिता के आंकड़ो का परीक्षण, ऋण और विनिवेश,उपभोक्ता व्यय, मूल्य
27.	अक्टूबर 72-जून 73 9088अ4823उ13911 (आर) (यू)	सामयिक प्रवास,पक्का मकानों की संख्या, अर्ध पक्का और कच्चा, मकानों की संख्या, रोजगार और बेरोजगारी, ग्रामीण क्षेत्रों में भवन निमार्ण की प्रक्रिया वर्तमान में, उपभोक्ता व्यय, मूल्य

दौर सं0	सर्वेक्षण की अवधि	पूछताछ के विषय
28.	अक्टूबर 73-जून 74 8730ऊ4944उ13674 (आर) (यू)	जनसंख्या जन्म और मृत्यु, रुग्णता, प्रजनन, मातृ एवं शिशु सुरक्षा, परिवार नियोजन स्थिति, ग्रामीण क्षेत्रों में समान्य चिकित्सीय सुविधा, अशक्तता शारीरिक और मानसिक रुप से प्रभावित व्यक्तियों की संख्या, नये मकानों की संख्या, उपभोक्ता व्यय, मूल्य
29.	जुलाई 74-जून 75 8512ऊ4872उ13384 (आर) (यू)	ग्रामीण मजदूर परिवारों की रोजगार, बेरोजगारी और ऋणग्रस्तता, लघु उत्पादन और हथकरघा ,खनन और उत्खनन व्यापार होटल और रेस्तरा, यातायात, सेवा निमार्ण उपभोक्ता व्यय आय, ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली की उपलब्धता की सीमा, मूल्य
30.	जुलाई 75-जून 76 8632ऊ9756उ18388 (आर) (यू)	ग्रामीण आंकड़े पशुधन संख्या और उत्पाद, पशुधन उत्पदों की खपत, पशुधन उत्पाद, पशुधन उद्यम, मूल्य, रेलवे यात्रा पर सर्वेक्षण
31.	जुलाई 76- जून 77 10524ऊ2028उ12552 (आर) (यू)	ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में शिक्षा, ग्रामीण क्षेत्रों में उत्पादन की प्रथा, हिमाचल प्रदेश में परिवारों की ऋण ग्रस्तता का सर्वेक्षण शहरी झुग्गी बस्तियों में रहने वालों की वित्तीय स्थिति, सिचाई की अवस्था, ग्रामीण बिजलीकरण, पूर्वोत्तर ग्रामीण अंचल में फुटकर मूल्य
32.	जुलाई 77- जून 78 8820ऊ4940उ13760 (आर) (यू)	रोजगार और बेरोजगारी, उपभोक्ता व्यय, पूर्वोत्तर क्षेत्र में परिवार का समेकित सर्वेक्षण, ग्रामीण फुटकर मूल्य
33.	जुलाई 77- जून 78 10457ऊ7684उ18141 (आर) (यू)	पूर्वोत्तर क्षेत्रों में निजी और परिवारों में बेंत और बांस उत्पादों से की जाने वाली बुनाई का उत्पादन, ग्रामीण फुटकर मूल्य
34.	जुलाई 79- जून 80 10457ऊ7684उ18141 (आर) (यू)	शिक्षा, चिकित्सा और स्वास्थ्य, व्यापार यातायात के असंगठित क्षेत्रक, होटल और रेस्तरां, गोदाम, गोदाम और खपत मूल्य
35.	जुलाई 80- जून 81 8008ऊ4500उ12508 (आर) (यू)	मातृ एवं शिशु सुरक्षा, परिवार नियोजन, शिक्षा चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, निमार्ण क्रियाकलाप और सामाजिक रुपत मूल्य
36.	जुलाई 81- दिसम्बर 81 6022ऊ3964उ9986 (आर) (यू)	विकलांग व्यक्तियों का सर्वेक्षण
37.	जनवरी 82-दिसम्बर 82 4414ऊ2544उ6958 (आर) (यू)	भूमि जोत और पशुधन जोत, ऋण और निवेश
38.	जनवरी 83-दिसम्बर 83 8598ऊ4572उ13170 (आर) (यू)	रोजगारी और बेराजगारी, उपभोक्ता व्यय
39.	जनवरी 84-जून 84 3684ऊ1870उ5554 (आर) (यू)	जनसंख्या, जन्म और मृत्यु
40.	जुलाई 84-जून 85 9128ऊ6028उ15156 (आर) (यू)	असंगठित उत्पादन-गैर निदेशिका स्थापनाएं और निजी उद्यम

दौर सं0	सर्वेक्षण की अवधि	पूछताछ के विषय
41	जुलाई 85-जून 86 4328अ10099उ14427 (आर) (यू)	परिवारों और व्यापारिक उद्यमों की सूची,व्यापार गैर निर्देशिका स्थापना और निजी उद्यम
42	जुलाई 86-जून 87 8546अ4656उ13202 (आर) (यू)	सामाजिक खपत,वद्ध और सेवा निवृत्त व्यक्तियों की समस्याएं परिवारिक उपभोक्ता व्यय (लघु अनुसूची)
43	जुलाई 87-जून 88 8518अ4648उ13166 (आर) (यू)	रोजगार और बेरोजगारी,उपभोक्ता व्यय,परिवारों की यात्रा प्रकृति
44.	जुलाई 88-जून 89 7612अ4836उ12448 (आर) (यू)	जनजातियों की वर्तमान दशा का सर्वेक्षण आवासन स्थिति और वर्तमान-निर्माण क्रियाकलाप,पारिवारिक उपभोक्ता व्यय (लघु अनुसूची)
45	जुलाई 89-जून 90 7664अ7320उ14984 (आर) (यू)	गैर निर्देशिका उत्पादक स्थापनाएं और निजी उत्पादक उद्यम (ओ ए एम ई) पारिवारिक उपयोक्ता व्यय (लघु अनुसूची)
46	जुलाई 90-जून 91 7240अ7744उ14984 (आर) (यू)	गैर निर्देशिका व्यापार स्थापनाएं और निजी व्यापार उद्यम (ओ ए ई) पारिवारिक उपभोक्ता व्यय (लघु अनुसूची)
47	जुलाई 91-दिसम्बर 91 4468अ2564उ7032 (आर) (यू)	संस्कृति और शिक्षा तथा विकलांग परिवार उपभोक्ता व्यय (लघु अनुसूची)
48	जनवरी 92-दिसम्बर 92 4328अ2484उ6812 (आर) (यू)	भूमिजोत, पशुधन जोत तथा ऋण और निवेश,पारिवारिक उपभोक्ता व्यय (लघु अनुसूची)
49	जनवरी 93-दिसम्बर 93 5072अ2928उ8000 (आर) (यू)	आवासन स्थिति और प्रवास के साथ एस एल पर विशेष वल
50	जुलाई 93-जून 94 8536अ5536उ14072 (आर) (यू)	रोजगार और बेरोजगारी तथा उपभोक्ता व्यय
51	जुलाई 94-जून 95 8536अ5536उ14072 (आर) (यू)	असंगठित उत्पादन : निदेशक उत्पादक स्थापनाएं गैर निर्देशिका उत्पादक स्थापनाएं तथा निजी उत्पादक उद्यम तथा रोजगार और बेराजगारी (लघु अनुसूची)
52	जुलाई 95-जून 96 7888अ5112उ13000 (आर) (यू)	स्वास्थ्य सुरक्षा,शिक्षा में प्रतिभागिता,उपभोक्ता व्यय तथा रोजगार और बेराजगारी (लघु अनुसूची)
53	जनवरी 97-दिसम्बर 97 7176अ8424उ15600 (आर) (यू)	निजी खाता व्यापार उद्यम तथा गैर निर्देशिका व्यापार स्थापनाएं और उपभोक्ता व्यय तथा रोजगार और बेरोजगारी (लघु अनुसूची)
54	जनवरी 98-जून 99 5242अ1788उ7030 (आर) (यू)	सामान्य सम्पति स्त्रोत स्वास्थ्य रक्षा,स्वास्थ्य विज्ञान और सेवाएं, उपभोक्ता व्यय,रोजगार और बेरोजगारी
विशेष दौर	अगस्त 98-जून 99 6980अ7644उ14624 (आर) (यू)	14 गैर कृषि सम्बन्ध क्षेत्रकों में प्रति मजदूर का विशेष उद्यम सर्वेक्षण में मूल्य जोड़ का आंकलन

दौर सं0	सर्वेक्षण की अवधि	पूछताछ के विषय
55	जुलाई 99-जून 2000 6208ऌ4176उ10384 (आर) (यू)	रोजगार और बेरोजगारी तथा उपभोक्ता व्यय (6ठा पंचवार्षिक सर्वेक्षण) और अनोपचारिक क्षेत्रक
56	जुलाई 2000-जून 2001 5696ऌ9092उ14788 (आर) (यू)	असंगठित क्षेत्रक के लघु उत्पापदक उद्यमों का सर्वेक्षण पारिवारिक उपभोक्ता व्यय और रोजगार तथा बेरोजगारी
57	जुलाई 2001-जून 2002 6513ऌ9356उ15869 (आर) (यू)	सेवा क्षेत्रक के असंगठित उद्यमों का सर्वेक्षण (व्यापार और वित्त को छोड़कर)
58	जुलाई 2002-दिसम्बर 2002 4828ऌ3628उ8456 (आर) (यू)	आवासन स्थिति का सर्वेक्षण, झुग्गियों का विवरण,ग्रामीण सुविधाएं और विकलांगता,पारिवारिक उपभोक्ता व्यय के वार्षिक सर्वेक्षण तथा रोजगार और बेरोजगारी के प्रमुख मद के साथ
59	जनवरी 2003-दिसम्बर 03 6784ऌ3824उ10608 (आर) (यू)	भूमि और पशुधन जोत का सर्वेक्षण ऋण और निवेश तथा भारतीय किसानों के स्थिति आंकलन और साथ ही परिवारों के उपभोक्ता व्यय तथा रोजगार और बेरोजगारी